

अयोध्या राम मंदिर

चर्चा में क्यों ?

राम लला की मूर्तिका प्रान परतषिठा या अभषिक समारोह सरयू तटबंध पर वषिणु पूजा और गौ दान के साथ शुरु होगा ।

मुख्य बदि:

- अयोध्या राम मंदिर का लेआउट:
 - मंदिर 20-20 फुट ऊँची तीन मंजलिों पर बना है, जनिमें कुल 392 खंभे और 44 दरवाजे हैं ।
 - नरिमाण में मकराना संगमरमर और गुलाबी बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट पत्थर एवं रंगीन संगमरमर का उपयोग कथिा गया है ।
 - मंदिर की नीव रोलर-कॉम्पैक्ट कंक्रीट की 14 मीटर मोटी परत से बनी है और ज़मीन की नमी से बचाने के लयि 21 फुट ऊँचा ग्रेनाइट प्लथि लगाया गया है ।
 - नरिमाण में कहीं भी लोहे का प्रयोग नहीं कथिा गया है ।
- मंदिर की स्थापत्य शैली, गर्भगृह , मंडप (हॉल) और मंदरिों के साथ नागर शैली है ।
- परसिर का प्रत्येक कोने में सूर्य, भगवती, गणेश, शवि की मूर्ता स्थापति होगी । उत्तरी और दक्षिणी भुजाओं पर क्रमशः अननपूरणा तथा हनुमान के मंदरि बनाए जाऐगे ।
- महर्षा वाल्मकिी, वशषिठ, वशिवामतिर, अगस्त्य, नषिाद राज, शबरी आदि के मंदरि भी प्रस्तावति हैं ।

मंदरि वास्तुकला की नागर शैली

- इसे पहली बार उत्तर भारत में 5वीं शताब्दी ईसवी में गुप्त काल के दौरान वकिसति कथिा गया था, यह शैली उत्तरी, पश्चिमी और पूरवी भारत (बंगाल कषेत्र को छोड़कर) में लोकप्रयि है, खासकर मालवा, राजपुताना एवं कलगि के आसपास के कषेत्रों में ।
- यह एक साधारण पत्थर के मंच पर बनाया गया है जसिमें मंदरि तक जाने के लयि सीढ़यिाँ हैं ।
- इसकी वशिषताओं में शामिल हैं:
 - शखिर: गर्भगृह हमेशा उच्चतम शखिर के ठीक नीचे स्थति होता है । शखिर पर एक कलश (अमलका) भी स्थापति है ।
 - शखिर के प्रकार: रेखा-प्रसाद या लैटनि (ओडशिया का श्रीजगन्नाथ मंदरि), शेखरी (खजुराहो कंदारयिा महादेव मंदरि), वलभी (तेली का मंदरि), फमसाना (कोणार्क मंदरि का जगमोहन) ।
- चारदीवारी या प्रवेश द्वार का अभाव ।
- वे उड़ीसा शैली, चंदेल शैली और सोलंकी शैली हैं ।

Parkota (rectangular compound wall)
732 metres long and
14 feet wide around
the temple

Total 392 pillars and
44 doors

■ East-West
length
380 feet

■ Width
250 feet

Height
161 feet

Entry from the
east, ascending 32
stairs through the
Singh Dwar

Three storeys, with each
floor 20 feet high

//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ayodhya-ram-mandir-1>